हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

रीतिकाल का अंत ही आधुनिक काल का आरंभ हैं।इसकी कालसीमा संवत् 1900 से आज तक मानी जाती हैं

आ० रामचंद्र शुक्ल-

“प्रत्येक देश का साहित्य वहां की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिंब होता हैं।तब यह निश्चित हैं कि जनता की चित्तवृत्ति में परिवर्तन के साथ साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होता चला जाता हैं”

आधुनिक काल

*भारतेन्दु युग
*द्विवेदी युग
*छायावादी युग
*प्रगतिवादी युग
*प्रयोगवादी युग
*नयी कविता

भारतेन्दु युग

- भारतेन्दु युग के प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हैं। इस युग की समय सीमा 1857-1900 तक हैं।
- **प्रमुख कवि**-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रतापनारायण मिश्र,अम्बिका दत्त व्यास,बद्रीनारायण चौधरी,ठाकुर जगमोहन सिंह,प्रतापसिंह, बालमुकुंद गुप्त इत्यादि

प्रमुख विशेषताएं

- देश प्रेम की भावना
- सामाजिक जागरण
- भक्ति भावना
- प्रकृति चित्रण
- व्यंग्यात्मकता
- श्रृंगारिकता का चित्रण

द्विवेदी युग

- आधुनिक काल के द्वितीय उत्थान को' 'द्विवेदी युग'कहते हैं।
- काल सीमा-1901-1902
- प्रमुख कवि-मैथिलीशरण गुप्त,श्रीधर पाठक,सत्यनारायण कविरत्न, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, महावीर प्रसाद द्विवेदी इत्यादि

प्रमुख विशेषताएं

- मानवतावादी विचारधारा
- राष्ट्रीय भावना
- आदर्शवाद
- स्वतंत्र प्रकृति चित्रण
- इतिवृत्तात्मकता

छायावादी युग

- आचार्य शुक्ल ने आधुनिक कविता के तृतीय उत्थान छायावाद की कविता का आरंभ 1918 से माना जाता हैं।
- प्रमुख कवि-जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला,सुमित्रानंदन पंत,महादेवी वर्मा।

  “छायावाद गीतिकाव्य हैं,प्रकृति काव्य हैं,प्रेमकाव्य हैं”

डां देवराज दिनेश

प्रमुख विशेषताएं

- वैयक्तिकता
- प्रकृति सौंदर्य
- नारी चित्रण
- प्रेम चित्रण
- वेदना और करुणा की भावना
- राष्ट्र प्रेम
- रहस्यवाद

प्रगतिवादी युग

- प्रगतिवाद माक्र्सवाद से प्रभावित है
- समय सीमा-1936-1943
- प्रमुख कवि-सुमित्रानंदन पंत,सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,नरेन्द्र शर्मा,रामेश्वर शुक्ल अंचल,त्रिलोचन, नागार्जुन, शिवमंगल सिंह सुमन,केदारनाथ अग्रवाल इत्यादि

प्रमुख विशेषताएं

- शोषित वर्ग के प्रति सहानुभूति
- शोषक वर्ग के प्रति विद्रोह
- क्रांति का आह्वान
- नारी के प्रति संवेदनात्मक दृष्टिकोण
- धर्म और ईश्वर का विरोध
- सामाजिक जीवन का यथार्थ चित्रण

प्रयोगवादी युग

- सन् 1943 से हिंदी मे एक अन्य नवीन युग के दर्शन होते हैं
- प्रमुख कवि-अज्ञेय,मुक्तिबोध, भारत-भूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे,धर्मवीर भारती इत्यादि

प्रमुख विशेषताएं

- व्यक्तिवाद की प्रमुखता
- वेदना और निराशा
- लघुता की अभिव्यक्ति
- चिरपरिचित वास्तविकताएं
- अति –बौद्धिकता
- विषय परिधि

नयी कविता

- नयी कविता का संबंध अपने युग के यथार्थ से हैं
- डां धर्मवीर भारती- “नयी कविता को पुराने और नये मानव मूल्यों के टकराव से उत्पन्न तनाव की कविता कहा हैं”
- प्रमुख कवि-शमशेर बहादुर सिंह,गिरिजा कुमार माथुर, धर्मवीर भारती,

प्रमुख विशेषताएं

- व्यक्ति स्वतंत्र्य
- आस्था-अनास्था
- औद्योगिक सभ्यता
- अनुभूतिपरकता
- द्वंद्व और संघर्ष से उत्पन्न परिवेश
- प्रकृति-प्रेम

समकालीन कविता

- जब मानवीय संवेदना, प्रतीक, मिथक,बिम्ब तथा काव्य भाषा मे नये तेवर उभरने लगे तब इसे साठोत्तरी कविता या समकालीन कविता का नाम दिया गया।
- प्रमुख कवि-धूमिल

प्रमुख विशेषताएं

- जन संघर्ष की यथार्थ छवि
- जन सामान्य का आत्मविश्वास मे आस्था
- आत्म विस्तार
- प्रचलित प्रतिमानों को चुनौती
- कविता में राजनीतिक एवं परिवेशगत संदर्भों की प्रचुरता
- विद्रोह की ध्वनि

निष्कर्षत:आधुनिक काल हिंदी साहित्य का विकासात्मक काल हैं यहां से गद्य का आरम्भ हुआ।आज भी हिंदी साहित्य नित नवीन उंचाईयों को छूते विकासशील है

धन्यवाद

पवन कुमारी
सहायक प्रोफेसर
हिंदी विभाग
हंसराज महिला महाविद्यालय, जालंधर